दी माइक्रोफाइनान्स रेव्यू, खंड-16, संख्या-2, जुलाई - दिसंबर 2024 THE MICROFINANCE REVIEW, Volume – XVI, No.2, July-December 2024

शोध-पत्र आमंत्रित करना

शोध-पत्र आमंत्रित करना

बैंकर इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट (बर्ड), लखनऊ नाबार्ड द्वारा प्रवर्तित एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है। बर्ड के अंतर्गत स्थापित वित्तीय समावेशन और सूक्ष्मवित्त अनुसंधान केंद्र (सीआरएफआईएम) "माइक्रोफाइनेंस रिव्यू" नामक अर्धवार्षिक पत्रिका प्रकाशित कर रहा है। इसके जुलाई-दिसंबर 2024 अंक, खंड-XVI, संख्या 2 के प्रकाशन के लिए निम्नलिखित विषयों पर शोध-पत्र/टिप्पणियाँ आमंत्रित की जाती हैं:

i. क्या भारत में मौजूदा माइक्रोफाइनेंस मॉडल पर पुनर्विचार की आवश्यकता है?
ii. महिलाओं के नेतृत्व वाले सतत उद्यमों के लिए माइक्रोफाइनेंस: नवाचार, अवसर और चुनौतियाँ।

शोधपत्र/टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश https://birdlucknow.nabard.org/StaticPages/crfim.aspx#MFR-Journals पर उपलब्ध हैं। इच्छुक व्यक्ति उपरोक्त किसी भी विषय पर शोधपत्र/टिप्पणियाँ 31 दिसंबर 2024 तक संपादक, माइक्रोफाइनेंस रिव्यू, बैंकर इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट, सेक्टर-एच, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड, लखनऊ - 226 012, ईमेल: birdjournal@nabard.org / bird@nabard.org, दूरभाष: 0522-2421119 / 2421136, वेबसाइट: https://birdlucknow.nabard.org/ को प्रस्तुत कर सकते हैं।

लेखकों द्वारा शोधपत्र/टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के लिए दिशा-निर्देश

1. **पत्रिका का उद्देश्य**: भारत और विदेशों में वित्तीय समावेशन और सूक्ष्मवित्त क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर अध्ययन को बढ़ावा देना ताकि नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, संस्थानों, नागरिक समाज और लाभार्थियों जैसे विभिन्न हितधारकों को जागरूक बनाया जा सके।
2. (**i) शोधपत्र**: शोधपत्र की लंबाई तालिकाओं और परिशिष्टों सहित 6000 शब्दों से अधिक नहीं होनी चाहिए। शोधपत्र के साथ 200 शब्दों से अधिक का सार प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए।
(ii) टिप्पणी: सूक्ष्म वित्त और वित्तीय समावेशन क्षेत्र में नवीनतम विकास पर टिप्पणी करते हुए टिप्पणी की लंबाई 1000 शब्दों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
3. **लेखक की पहचान**: शोधपत्र/टिप्पणियाँ डबल ब्लाइंड रेफरल सिस्टम के माध्यम से संसाधित की जाती हैं। लेखकों को सूचित किया जाता है कि वे पाठ में अपनी पहचान का खुलासा करने से बचें और नाम, संबद्धता, संपर्क विवरण और पावती के साथ एक अलग पृष्ठ संलग्न करें।
4. **गणितीय संकेतन, तालिकाएँ और फ़ुटनोट**: केवल आवश्यक गणितीय संकेतन का ही उपयोग किया जा सकता है। सभी सांख्यिकीय सूत्र साफ-सुथरे टाइप किए जाने चाहिए। जहाँ तक संभव हो, तालिकाएँ और आंकड़े दस्तावेज़ में उस स्थान के पास/बाद में दिखाई देने चाहिए जहाँ उन्हें पाठ में संदर्भित किया गया है। तालिकाओं में बहुत छोटे फ़ॉन्ट का उपयोग करने से बचें। किसी भी स्थिति में तालिकाएँ या आंकड़े अलग दस्तावेज़ या फ़ाइल में नहीं होने चाहिए। फ़ुटनोट को सादे अरबी सुपरस्क्रिप्ट में क्रमिक रूप से क्रमांकित किया जाना चाहिए।
5. **संदर्भ और उद्धरण**: संदर्भ सूची में केवल उद्धृत कार्य ही शामिल किए जाने चाहिए। संदर्भों का उद्धरण निम्नलिखित क्रम में होना चाहिए: लेखक/कों का/के नाम; वर्ष; लेख का शीर्षक, पत्रिका का नाम; खंड; संख्या और पृष्ठ। कृपया उद्धरण की शैली का पालन करें।

• शेट्टी, एस एल (2012): Microfinance in India Issues, Problems and Prospects: A Critical Review of Literature, Academic Foundation, New Delhi.
• एडम्स, डी डब्ल्यू और वी रॉबर्ट (1986): "Rural Financial Markets in Low Income Countries: Recent Controversies and Lessons", World Development, Vol. 14, No. 4, pp. 477-487.

वेबसाइटों से संदर्भ सामग्री के लिए:

• हुबका, ए और आर जैदी (2005), माइक्रोफाइनेंस पर सरकारी विनियमन का प्रभाव, 09 अप्रैल 2015 को देखा गया (http://siteresources.worldbank.org)

6. शोधपत्र भेजते समय लेखकों को यह बताना चाहिए कि शोधपत्र लेखक/कों का मूल कार्य है और शोधपत्र कहीं और प्रकाशित नहीं हुआ है या प्रकाशित नहीं हो रहा है या कहीं और प्रकाशन के लिए विचार नहीं किया जा रहा है।
7. सभी पांडुलिपियाँ इलेक्ट्रॉनिक रूप में होनी चाहिए और उन्हें निम्नलिखित पते पर भेजा जाना चाहिए: संपादक, माइक्रोफाइनेंस रिव्यू जर्नल। ईमेल आईडी: birdjournal@nabard.org; bird@nabard.org, cmr.bird@nabard.org
8. संपादकीय बोर्ड द्वारा अस्वीकृत किए गए शोध-पत्रों पर कोई पत्राचार नहीं किया जाएगा।
9. शोध-पत्र प्रस्तुत करने वाले लेखक या लेखकों में से एक (एक से अधिक लेखकों के मामले में) पत्रिका की सदस्यता ले सकते हैं।
10. सभी चयनित शोध-पत्रों के लेखकों से कॉपीराइट और साहित्यिक चोरी की घोषणा देने का अनुरोध किया जाता है।
11. दी माइक्रोफाइनेंस रिव्यू में प्रकाशित लेखों के कॉपीराइट और पुनरुत्पादन और अनुवाद के सभी अधिकार वित्तीय समावेशन और सूक्ष्मवित्त अनुसंधान केंद्र, बैंकर इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट के पास सुरक्षित हैं। इसमें निहित किसी भी सामग्री का अनुवाद या पुनरुत्पादन करने की अनुमति के लिए आवेदन संपादक, माइक्रोफाइनेंस रिव्यू को निम्नलिखित पते पर किया जाना चाहिए: संपादक, माइक्रोफाइनेंस रिव्यू, वित्तीय समावेशन और सूक्ष्मवित्त अनुसंधान केंद्र (सीआरएफआईएम), बैंकर इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट (बर्ड), सेक्टर-एच, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड, लखनऊ - 226 012 ईमेल: birdjournal@nabard.org / bird@nabard.org /cmr.bird@nabard.org टेलीफोन: 0522-2421178/2421136/2421078 जर्नल का ऑनलाइन संस्करण www.i-scholar.in/index.php/microfinance पर देखा जा सकता है.